पाठ २५ सबसे बड़ा छाता

कहानी का सारांश

यह कहानी एक बच्चे की दृष्टि से बारिश के अनुभव को दर्शाती है। कहानी के प्रारंभ में, बच्चा बारिश से डरता है और अपने बिस्तर, अपनी माँ की साड़ी और अपनी दादी के कंबल के भीगने से चिंतित है। हालांकि, जैसे ही उसे पता चलता है कि उसके पास छाता है, वह खुश हो जाता है और अपने दोस्त सलीम को भी छाते के नीचे बुला लेता है।

कहानी के मध्य में, बच्चा और सलीम के साथ और भी बच्चे छाते के नीचे आ जाते हैं। जैसे-जैसे और बच्चे आते हैं, छाता छोटा पड़ जाता है। अंत में, बच्चा दयाल चाचू से बहुत बड़ा छाता मांगता है, लेकिन चाचू कहते हैं कि इससे बड़ा छाता तो बनता ही नहीं।

कहानी के अंत में, बच्चा बड़ा होकर दुनिया का सबसे बड़ा छाता बनाने का सपना देखता है। वह चाहता है कि उसका छाता इतना बड़ा हो कि वह बारिश में पूरे शहर को छुपा ले।

कहानी का संदेश:- यह कहानी हमें यह संदेश देती है कि बारिश एक सुंदर और रोमांचक घटना है। बारिश के मौसम में हमें सावधानी बरतनी चाहिए।

शब्दार्थ:

झमा-झम: तेज बारिश।

टप-टप: धीमी बारिश।

छप-छपाक: तेज बारिश में तालाब या नाले में पानी गिरने की आवाज।

गीला: पानी से भीगा हुआ।

सर्द: ठंडा।

छाता: बारिश से बचने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक उपकरण।

आनंदित: प्रसन्न।

कल्पनाशील: कल्पना करने में सक्षम।

महान: बड़ा।

आकाश: पृथ्वी के ऊपर का नीला आवरण।

प्रश्न-अभ्यास

बातचीत के लिए

1. बारिश से जुड़े अपने अनुभव बताइए।

उत्तर:- मैं बारिश से बहुत प्यार करता/करती हूँ। बारिश के दिन मुझे स्कूल नहीं जाना पड़ता, तो मैं अपने दोस्तों के साथ बाहर खेलने जाता/जाती हूँ। हम बारिश में भीगते हैं, पानी में नाव चलाते हैं और पानी में खेलते हैं। बारिश के दिन मुझे बहुत खुशी होती है।

2. आप बड़े होकर क्या बनाना चाहेंगे?

उत्तर:- मैं बड़े होकर एक इंजीनियर बनना चाहता/ चाहती हूँ। मैं दुनिया में कुछ नया बनाना चाहता/ चाहती हूँ, जो लोगों की मदद करे।

3. क्या सचमुच कोई इतना बड़ा छाता बना सकता है कि पूरी दुनिया के बच्चे उसमें आ जाएँ?

उत्तर:- मैं ऐसा नहीं मानता/ मानती कि कोई इतना बड़ा छाता बना सकता है कि पूरी दुनिया के बच्चे उसमें आ जाएँ। लेकिन, अगर ऐसा संभव हो तो यह बहुत ही अद्भुत होगा। यह एक सपना होगा जो सच हो गया।

4. छाते में ऐसा क्या होता है कि हम बारिश में भी गीले नहीं होते?

उत्तर:- छाते में एक कपड़ा होता है जो पानी को रोक लेता है। जब बारिश होती है तो पानी की बूंदें छाते के कपड़े पर गिरती हैं और छाते के अंदर नहीं गिरती हैं। इसलिए, हम छाते के अंदर खड़े होकर भीगते नहीं हैं।

नीचे दिए गए प्श्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. हर बार छाता क्यों छोटा पड़ता था?

उत्तर:- हर बार छाता छोटा पड़ता था क्योंकि जितने भी बच्चे छाते के नीचे आते थे, छाता उतना ही छोटा होता जाता था।

2. हर बार बड़ा छाता कौन देते थे?

उत्तर:- हर बार बड़ा छाता दयाल चाचू देते थे।

3. इस कहानी में आए सभी बच्चों के नाम लिखिए।

उत्तर:- इस कहानी में आए सभी बच्चों के नाम इस प्रकार हैं:

राकेश, सलीम, टिल्लू, लता, मोनू, शलीन, सनत, हामिद, हरमीत

4. बारिश में क्या-क्या गीला हो गया?

उत्तर:- बारिश में बिस्तर, साड़ी, कंबल, घर, आँगन, और बच्चे सब गीले हो गए।

खेल-खेल में

वर्षा की बुँदे धरती पर गिरती हैं तो कैसी ध्वनि सुनाई देती है? इस तरह करके देखिए –।

1. आँखें बंद कीजिए और बाई हथेली खोलकर रखिए।

उत्तर:- आप कोई आवाज नहीं सुनेंगे।

2. दाएँ हाथ की तर्जनी से बाई हथेली पर बजाकर देखिए।

उत्तर:- आप एक छोटी सी, टप-टप जैसी आवाज सुनेंगे।

3. फिर से दो उँगलियों से बजाकर देखिए।

उत्तर:- आप एक थोड़ी बड़ी, छप-छप जैसी आवाज सुनेंगे।

4. फिर से तीन उँगलियों से बजाकर देखिए।

उत्तर:- आप एक और बड़ी, छप्प-छप्प जैसी आवाज सुनेंगे।

5. फिर से चार उँगलियों से बजाकर देखिए।

उत्तर:- आप एक सबसे बड़ी, ठक-ठक जैसी आवाज सुनेंगे।

शब्दों का खेल

हर बार बड़ा छाता छोटा पड़ जाता था।

बड़ा और छोटा इन दोनों शब्दों के अर्थ एक-दुसरे से विपरीत हैं। जैसे दिन और रात।

नीचे दी गई तालिका से दिए गए शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए –

नी	इ	दो	दि	न	सो
से	चे	उ	जा	ला	ना
अ	च	बा	एँ	पा	जै
सो	ना	ल	सू	खा	स
बा	ह	र	अ	ने	क

ऊपर	**x**	नीचे	**दाएँ**	**x**	बाएँ
अंदर	**x**	बाहर	**रात**	**x**	दिन
एक	**x**	अनेक	**दूर**	**x**	पास
अँधेरा	**x**	उजाला	**गीला**	**x**	सुखा

पढ़िए, समझिए और लिखिए

1. दिन में सूरज रात **में तारे दिखते हैं।**

2. सत्य **बोलें, झूठ नहीं।**

3. ऊपर आकाश और नीचे **धरती है।**

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से पाँच से छह वाक्य लिखिए –

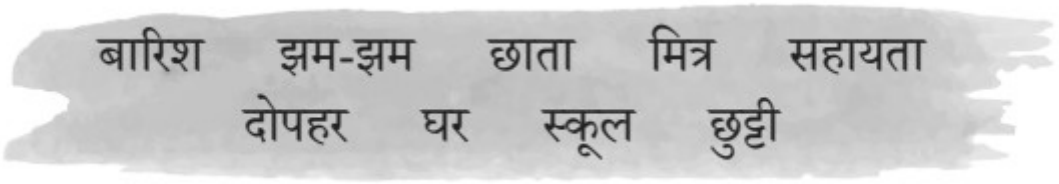

मैं स्कुल से घर आ रही थी / रहा था।

उत्तर:-

मैं स्कुल से घर आ रही थी। अचानक, झम-झम बारिश शुरू हो गई। मैं बहुत डर गई। मेरे पास छाता नहीं था। मैं जल्दी से किसी छत के नीचे जाने की कोशिश करने लगी।

तभी, मेरे दोस्त राकेश और सलीम आ गए। उन्होंने मुझे देखा और मेरे पास आए। उन्होंने अपना छाता मेरे ऊपर खोल दिया। मैं उनका बहुत आभारी थी।

हम तीनों मिलकर छाते के नीचे खड़े होकर बारिश का आनंद लेने लगे। हमने बातें कीं, हँसे और मस्ती की।

जब बारिश थम गई, तो हम घर की ओर चल दिए। मैं बहुत खुश थी कि मेरे पास राकेश और सलीम जैसे अच्छे दोस्त हैं।

पहेली

तोते का प्यारा खाना है,
लेकिन मेरी सी-सी है,
इसका उत्तर दे सकते हो,
यह तो बात ज़रा-सी है।

उत्तर :- मिर्ची

चलती ही रहती है हरदम,
दिन हो, चाहे रात,
टिक-टिक-टिक बोला करती,
कहती है कुछ बात।

घड़ी